अनुबंध 3

फार्म एनबीएस 6

पूंजी बाजार जोखिम(CME) से संबंधित मासिक विवरणी

---------- 200 माह की समाप्ति पर

एनबीएफसी/आरएनबीसी का नाम :

कंपनी की कूट सं. :
(भारिबैंक के भरने के लिए)

पंजीकृत कार्यालय का पता :

भारिबैंक पंजीयन सं. :

कंपनी का वर्गीकरण : एएफसी/ऋण/निवेश/आरएनबीसी

विवरणी भरने के लिए टिप्पणियां और अनुदेश

1. **प्रयोज्यता**

यह विवरणी जमाराशि लेनेवाली उन सभी एनबीएफसी को भरनी है जिनकी कुल परिसंपत्तियां पिछले वर्ष 31 मार्च को 100 करोड़ रुपए और उससे अधिक रही हैं (उदाहरण के लिए अप्रैल 2007 या अक्तूबर 2007 माह की विवरणी के लिए कुल परिसंपत्तियों की आधार तारीख मार्च 2007 होगी, इसी प्रकार मार्च 2008 माह की विवरणी के लिए कुल परिसंपत्तियों की आधार तारीख मार्च 2007 होगी)। लेखापरीक्षित आंकड़ों के अभाव में, इस प्रयोजन के लिए अनंतिम आंकड़े लिए जाएं।

2. यह विवरणी गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक के उस क्षेत्रीय कार्यालय को प्रस्तुत की जानी चाहिए जिसके कार्य क्षेत्र में उसका पंजीकृत कार्यालय स्थित है।

3. **<u>पूंजी बाजार जोखिम (सीएमई) की परिभाषा</u>**

इस विवरणी के लिए, सीएमई निम्नलिखित के रूप में कंपनी के ऋण जोखिमों का सकल योग होगाः

(i) उद्धृत ईक्विटी शेयरों में निवेश, उद्धृत अनिवार्यतः परिवर्तनीय अधिमान शेयर (सीसीपीएस), उद्धृत परिवर्तनीय बांड तथा डिबेंचर और मूलतः ईक्विटी मूलक पारस्परिक निधियों की उद्धृत यूनिटें;

(ii) उपर्युक्त (i) की प्रतिभूतियों की जमानत पर ऋण एवं अग्रिम, जिसमें आइपीओं, आदि को वित्तपोषित करने वाले ऋण एवं अग्रिम शामिल हैं;

(iii) शेयर दलालों को दिए गए जमानती तथा बेजमानती ऋण एवं अग्रिम और उनकी ओर से जारी गारंटियाँ;

(iv) बुकबिल्डिंग रूट के माध्यम-सहित ईक्विटी से संबंधित प्राथमिक निर्गमों के संबंध में हामीदारी वचनबद्धताएं; और

(v) पूंजी बाजार को ईक्विटी से संबंधित कोई अन्य ऋण जोखिम।

4. संपार्श्विक या अतिरिक्त प्रतिभूति के रूप में एनबीएफसी तथा आरएनबीसी को सौंपे गए शेयर, डिबेंचर, पारस्परिक निधियों की यूनिटों, आदि की स्वीकार्यता सीएमई के अंतर्गत नहीं आती, यदि उन्हें सामान्य कारबार प्रथा तथा मूल्यांकन कार्यविधि के अनुसार स्वीकार किया जाता है, साथ ही अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी (रिज़र्व बैंक) निदेश, 1987 के पैराग्राफ 6 के प्रावधानों के अनुपालन में आरएनबीसी द्वारा किए गए निवेशों को भी इसी के अनुरूप माना जाता है।

5. इस विवरणी में उल्लिखित 'सहायक कंपनियों' तथा 'उसी समूह की कंपनियों' का वही अर्थ है जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4 एवं धारा 372(11) में उनके बारे में क्रमशः बताया गया है।

6. 'पण्यावर्त' का अर्थ है निवेशों की उसी श्रेणी में बिक्री एवं खरीद का कुल योग।

7. यदि विवरणी के किसी अंश/मद में कोई बात रिपोर्ट करने के लिए नहीं हो, तो 'राशि' के कालम में '00' दिखाया जाए।

8. विवरणी पर प्रधान अधिकारियों में से किसी एक के हस्ताक्षर होने चाहिए, जैसा कि जमाराशियों के संबंध में वार्षिक विवरणी में दिया गया है (एनबीएस-1/एनबीएस-1ए)।

9. 'सकल क्रय' शब्दावली ऐसे ऋण जोखिमों का संकेत करती है जिनसे पूंजी बाजार ऋण जोखिम में बढ़ोत्तरी होती है तथा 'सकल विक्रय' का अर्थ उस ऋण जोखिम से है जिससे एनबीएफसी/आरएनबीसी का पूंजी बाजार ऋण जोखिम कम होता है।

भाग-1 उद्धृत निवेश

(लाख रुपए में)

निवेशों के ब्योरे	पिछले माह में पण्यावर्त	माह के अंत में बही मूल्य	माह के अंत में बाजार मूल्य
	सक्र*	सवि**	योग
1. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के उद्धृत ईक्विटी शेयरों में निवेश			
1.1 उसी समूह की कंपनियां			
1.2 अन्य कंपनियां			
2. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के उद्धृत परिवर्तनीय बांडों/डिबेंचरों में निवेश			
2.1 उसी समूह की कंपनियां			
2.2 अन्य कंपनियां			
3. मूलतः ईक्विटी मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों में निवेश			
4. उद्धृत अनिवार्यतः परिवर्तनीय अधिमान शेयर			
4.1 उसी समूह की कंपनियां			
4.2 अन्य कंपनियां			
5. उद्धृत शेयरों, बांडों/परिवर्तनीय डिबेंचरों, मूलतः ईक्विटी मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों में निवेशों का योग (1+2+3+4)			
6. उद्धृत शेयरों या उद्धृत परिवर्तनीय बांडों/डिबेंचरों एवं मूलतः ईक्विटी मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों की (निम्न स्वरूप की प्रतिभूतियों की) जमानत पर कंपनियों को ऋण तथा अग्रिम			
(क) भौतिक प्रतिभूतियां			
(ख) डिमैट प्रतिभूतियां			
6.1 उपर्युक्त 6 में से, किसी कंपनी को दी गई			

अधिकतम राशि			
6.2 उपर्युक्त 6 में से आइपीओ के वित्तपोषण के लिए कंपनियों को ऋण तथा अग्रिम			
6.2.1 भौतिक प्रतिभूतियां			
6.2.2 डिमैट प्रतिभूतियां			
6.3 उपर्युक्त 6 में से, निम्नलिखित को ऋण तथा अग्रिम			
6.3.1 उसी समूह की कंपनियां			
6.3.2 अन्य कंपनियां			
7. उद्धृत शेयरों या उद्धृत परिवर्तनीय बांडों/डिबेंचरों एवं मूलतः ईक्विटी मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों की (निम्न स्वरूप की प्रतिभूतियों की) जमानत पर व्यक्तियों, फर्मों, अविभक्त हिंदू परिवारों तथा लोगों के अनिगमित संघों को ऋण तथा अग्रिम			
(क) भौतिक प्रतिभूतियां			
(ख) डिमैट प्रतिभूतियां			
7.1 उपर्युक्त 7 में से, एक व्यक्ति या एक फर्म या हिंदू अविभक्त एक परिवार या लोगों के एक अनिगमित संघ को दिए गए ऋण एवं अग्रिमों की अधिकतम राशि			
7.2 उपर्युक्त 7 में से , निम्नलिखित की जमानत पर आइपीओ के वित्तपोषण के लिए व्यक्तियों, फर्मों, हिंदू अविभक्त परिवारों तथा लोगों के अनिगमित संघों को ऋण एवं अग्रिम			
7.2.1 भौतिक प्रतिभूतियां			
7.2.2 डिमैट प्रतिभूतियां			
8. शेयर दलालों को ऋण जोखिम सीमा			
8.1 शेयर दलालों को ऋण :			
8.1.1 जमानती			
8.1.2 बेजमानती			
8.1.3 उप-योग (8.1.1+8.1.2)			
8.2 शेयर दलालों की ओर से गारंटियां			

8.3 किसी शेयर दलाल को दिए गए ऋण एवं अग्रिमों की अधिकतम राशि			
8.4 शेयर दलालों को ऋण जोखिम का योग (8.1.3+8.2)			
8.5 उपर्युक्त 8.4 में से, एनबीएफसी के स्वयं समूह में दलाली कंपनियों/फर्मों को ऋण जोखिम			
9. बुक बिल्डिंग रूट के माध्यम-सहित इक्विटी संबंधी प्राथमिक निर्गमों के संबंध में कंपनी की हामीदारी वचनबद्धताएं			
10. पूंजी बाजार को ईक्विटी संबंधी कोई अन्य ऋण जोखिम (कृपया उल्लेख करें)			
11**. कुल पूंजी बाजार ऋण जोखिम (5+6+7+8+9+10)**			

<u>भाग-2 अनुद्धृत निवेश</u>			
12. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के अनुद्धृत ईक्विटी शेयरों में निवेश			
12.1 उसी समूह की कंपनियां			
12.2 अन्य कंपनियां			
13. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के अनुद्धृत बांडों/डिबेंचरों में निवेश			
13.1 उसी समूह की कंपनियां			
13.2 अन्य कंपनियां			
14. अनुद्धृत ईक्विटी शेयरों/बांडों/ डिबेंचरों में निवेशों का योग (12+13)			

* सक्र = सकल क्रय

** सवि = सकल विक्रय

भाग -3 पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार स्थिति

15. पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार कंपनी की स्वाधिकृत निधियां	
16. पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार कंपनी की कुल परिसंपत्तियां (अमूर्त को घटाकर)	
17. जिस माह से विवरणी संबंधित है उस माह के अंत में कंपनी की कुल जमाराशियां (आरएनबीसी के लिए)/सार्वजनिक जमाराशियां (एनबीएफसी के लिए)	

प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/
प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान ---------- नाम ----------
तारीख ---------- पदनाम ----------

*****